

AE-1099

B.A. (Part - III)
Term End Examination, 2016-17

SANSKRIT LITERATURE

Paper - II

काव्य, अलंकार तथा निबंध

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य लिपि में दीजिए।

इकाई-I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 20

(क) क्रियासु युक्तैर्नृप ! चारचक्षुषो

न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।

अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा

हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।

(2)

(ख) तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया
तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः ।
समुन्नयन् भुतिमनार्य सङ्गमाद्
वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः ॥

(ग) भवाहशेषु प्रमदाजनोदितं
भवत्यधिकक्षेप इवानुशासनम्
तथापि वक्तुं व्यवसायन्ति मां
निरस्तनारीसमया दुराधयः ॥

(घ) विहाय शान्तिं नृप! धाम तत्पुनः
प्रसाद सन्धेहि वधाय विद्विषाम् ।
व्रजन्ति शत्रुनवधूय निःस्पृहाः
शमेन सिद्धिं मुनयो न भूमृतः ॥

इकाई-II

2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) के आधार पर द्रौपदी द्वारा युधिष्ठिर के प्रति दिए गए वक्तव्यों का वर्णन कीजिए।

10

अथवा

भारवि की काव्यशैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(3)

इकाई-III

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 15
- (क) चारित्र्येण च को युक्तः सर्वभूतेषु को हितः।
विद्वान् कः कः समर्थश्च कश्चैकप्रियदर्शनः।
- (ख) विष्णुना सदृशो वीर्ये सोमवत्प्रियदर्शनः।
कालाग्निसदृशः क्रोधे क्षमया पृथिवीसमः॥
- (ग) चित्रकूटं गते रामे पुत्रशोकातुरस्तदा।
राजा दशरथः स्वर्गं जगाम विलपन्सुतम्॥
- (घ) तत्र लङ्कां समासाद्य पुरीं रावणयालिताम्।
ददर्श सीतां ध्यायन्तीमशोकवनिकां गताम्
- (ङ) दर्शयामास चात्मानं समुद्रः सरितां प्रति।
समुद्रवचनाच्चैव नलं सेतुमकारयत्॥
- (च) नन्दिग्रामे जटां हित्वा भातृभिः सहितोऽनधः।
रामः सीतामनु प्राप्य राज्यं पुनरवाप्तवान्॥

इकाई-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अलंकारों के सोदाहरण लक्षण लिखिए : 15
- (क) उत्प्रेक्षा
- (ख) दीपकम्
- (ग) विशेषोक्तिः

(4)

- (घ) निदर्शना
- (ङ) शब्दश्लेषः
- (च) भ्रान्तिमान्

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 15 वाक्यों में संस्कृत में निबंध लिखिए : 15
- (क) परोपकारः
 - (ख) भगवद्गीता
 - (ग) छात्रजीवनम्
 - (घ) दीपावली
- _____